F-11
D.El.Ed-1st year

दृश्य कलाएँ (VISUAL ARTS)

* दृश्य कला वह कला होती है जिसमें कलाकार जो कलाकृतियाँ बनाता है उनका दृश्य प्रभाव होता है अर्थात् उनमें दृश्य सौन्दर्य की अनुभूति होती है तथा वे दृश्य के माध्यम से ही भाव प्रकाशन करती है।

दृश्य कला में उन सभी कलाओं को समाहित किया जाता है जिनमें कलाकार अपनी कलाकृतियों को इस प्रकार बनाता - सजाता एवं सँवारता है जिससे वे दर्शक को नेत्रों के द्वारा आनन्द प्रदान करती है।

एक कलाकार अपने भावों एवं अनुभूतियों को इस प्रकार प्रदर्शन हेतु अनेक प्रकार की कलाओं का उपयोग करता है। विद्वानों ने इस कलाओं को ज्ञानेन्द्रियों के आधार पर तीन भागों में विभक्त किया है जो चित्र 3.1 में प्रदर्शित की गयी है।

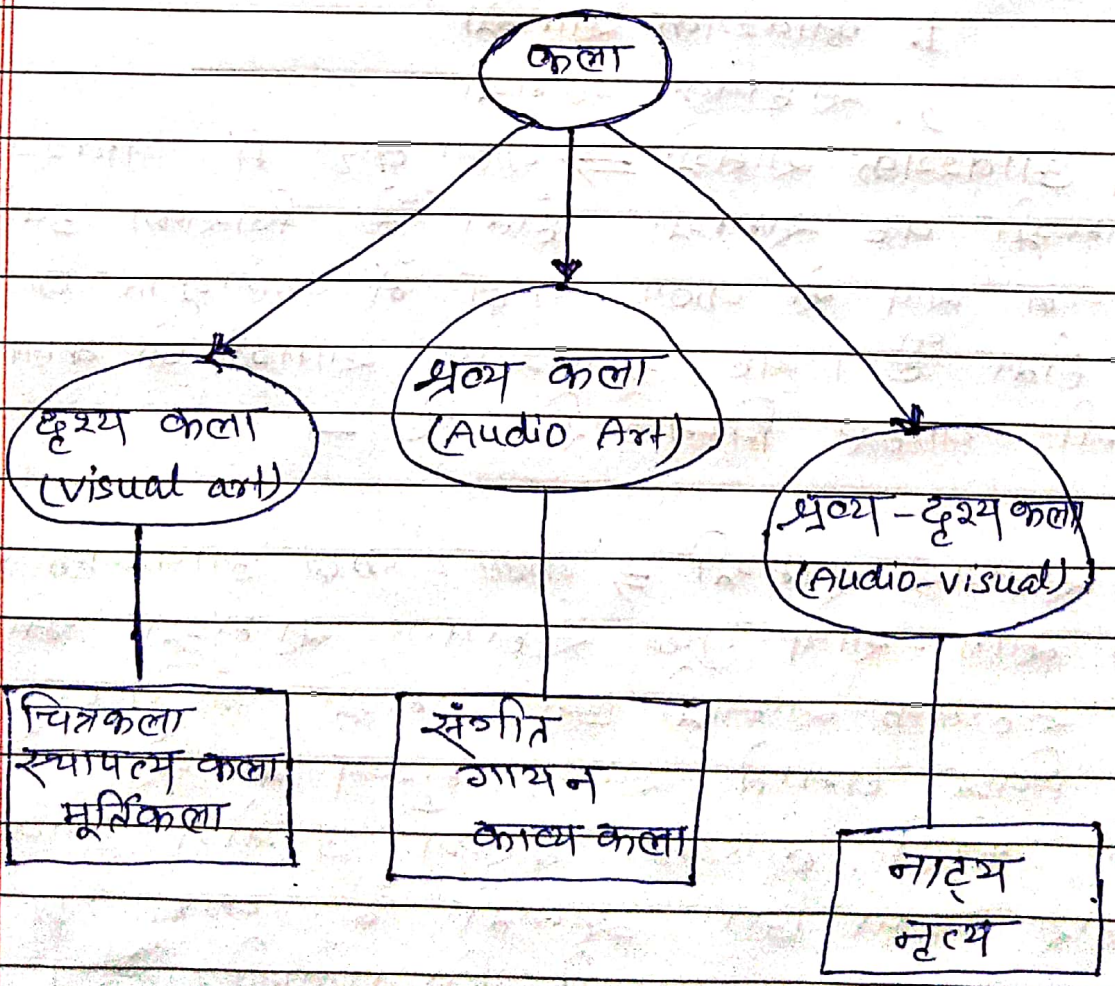

Scanned with CamScanner

ड्राइंग एवं चित्रकला (DRAWING AND PAINTING)

* चित्रकला शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। चित्रकला अर्थात् वह कला जिसमें चित्र बनाये जाते हैं इस कला के कलाकार को चित्रकार कहते हैं। चित्रकार चित्रकला के माध्यम से अपने मनोभावों एवं अनुभूतियों को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करता है। चित्रकला को विभिन्न विद्वानों ने अनेक प्रकार से परिभाषित किया है। "मनुष्य जब अपने हृदय की भावनाओं को रेखाओं के द्वारा प्रकट करता है तथा उसमें सुन्दरता की झलक हो तो उसको साधारण बोलचाल की भाषा में चित्रकला कहते हैं।

* कला-कक्ष के उपकरण (TOOLS OF ART ROOM)

कला-कक्ष वह कक्ष होता है जहाँ एक कलाकार अपनी कल्पना के पंखों पर सवार होती है अपनी कल्पना को आकार प्रदान करता है। इस कक्ष से सम्बन्धित सामग्री को दो भागों में बाँटा जा सकता है

1. आवश्यक सामग्री
2. सहायक सामग्री

1. आवश्यक सामग्री ⇒ कला कक्ष में आवश्यक सामग्री वह सामग्री होती है जिसका उपयोग प्रत्यक्ष रूप से कला-कक्ष में कलाकृति के निर्माण में होता है। यह आवश्यक सामग्री जो कला-कक्ष में होनी चाहिए निम्नलिखित है —

2. सहायक सामग्री ⇒ कला-कक्ष आवश्यक सामग्री के साथ-साथ कुछ सहायक सामग्री भी होती है सहायक सामग्री उस सामग्री को कहा जाता है जो चित्र बनाते समय मुख्य रूप से प्रयोग नहीं होती, लेकिन इनका उपयोग आवश्यकता-नुसार किया जा सकता है कक्षाकक्ष की कुछ सहायक सामग्री निम्नलिखित है।

Scanned with CamScanner